दिनांक 26 नवंबर, 2020 को संविधान दिवस समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- आप सभी को संविधान दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। हमारा संविधान केवल एक सर्वोच्च कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि, यह सम्पूर्ण भारतीय मूल्यों का जीवंत दस्तावेज है।
- यह हमारे देश की आत्मा है जिसने अपनी यात्रा के हर पग पर सफलता अर्जित की है। इसने देश की एकता तथा अखंडता, देशवासियों की मानवीय गरिमा तथा देश के संस्थानों की अहमियत को अक्षुण्ण बनाये रखने का कार्य किया है।
- हमारे संविधान द्वारा देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था, निष्पक्ष तथा स्वतंत्र न्यायपालिका एवं जन-संवेदनशील व्यवस्थापिका कायम करने का प्रयास किया गया है।
- हमारा देश विविधताओं का देश है। यह विभिन्न जाति, धर्म, सम्प्रदाय के लोग भिन्न-भिन्न रीति-रिवाज़ के साथ रहते हैं। विविधता में एकता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करने वाला हमारा देश है। इसमें संविधान का अहम योगदान है।
- इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि भारत कोई 70 साल पुराना देश नहीं है, बल्कि, हजारों साल पुरानी सभ्यता है। सिन्धु घाटी सभ्यता, वैदिक काल सभ्यता, विज्ञान, कला वाणिज्य, नैतिकता तथा मानवीय मूल्यों में आज के यूरोप से

बेहतर रहे हैं। अतः हमारा संविधान, हमारे भारतीय सभ्यता का मूर्त रूप है।

- प्रसन्नता का विषय है कि झारखंड राज्य में आज के दिन न्यायपालिका तथा कार्यपालिका ने मिलकर 'सेवा लोक अदालत' का आयोजन किया है। इस लोक अदालत में 25000 से ज्यादा मामलों का निष्पादन हुआ है। उन सभी लोगों को मैं शुभकामना देती हूँ जिनके मामलों का आज निष्पादन हुआ है। आज 1400 करोड़ रूपये से ज्यादा की रकम इसके सही हकदार को मिली है।
- संविधान की प्रस्तावना में ही कहा गया है कि राष्ट्र समस्त नागरिकों के लिए सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करेगा। लोक अदालत इस प्रस्तावना को जीवंत करता है।
- यह हर्ष का विषय है कि झारखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा आज के इस ऐतिहासिक दिवस पर सूचना तकनीक के दो महत्वपूर्ण उपलब्धियों को भी जनहित में समर्पित किया गया है। झारखण्ड उच्च न्यायालय में e-filing की सुविधा तथा ऑनलाइन अभिप्रमाणित प्रति की सुविधा का लोकार्पण किया गया है। बदलते दौर में सूचना तकनीक को अहमियत देना अत्यावश्यक भी है। आज सम्पूर्ण विश्व नोवेल कोरोना वायरस से ग्रसित है। अधिकांश कार्यक्रम/बैठकें भी Video conferencing के माध्यम से हो रही है। इसी कड़ी में हमलोग भी आज Social Distancing का पालन करते

हुए इसी तकनीक से जुड़े हैं। मैं इस व्यापक सोच हेतु झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश समेत पूरी टीम को बधाई देती हूँ।

- आज झालसा के Mobile App तथा Portal का भी लोकार्पण किया गया है। यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि इसके माध्यम से राज्य के लोग इस राज्य की किसी भी जिला अथवा अनुमंडल न्यायलय में Legal service घर बैठे ही प्राप्त कर सकते हैं। आशा है कि इस सूचना तकनीक का लाभ आम जन को मिलेगा।
- JHALSA द्वारा भूखमरी से लड़ने के लिए भी बनी योजना का भी लोकार्पण किया जा रहा है। नशा, भूख, बीमारी के विरूद्ध तीन Project launch किये गये हैं। इसके अतिरिक्त चौथा Project ग्रामीण तथा वनवासी महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए है। जनहित में ये सभी सराहनीय प्रयास कहे जा सकते हैं।
- यह हर्ष का विषय है कि आज नवनियुक्त न्यायिक अधिकारियों का probation समारोह भी है। सभी को मेरी शुभकामनायें तथा आशा है कि वे लोगों क उम्मीदों के अनुरूप त्वरित न्याय हेतु अग्रसर रहेंगी क्योंकि कहा गया है कि– विलम्ब से किया गया न्याय भी अन्याय है और किसी निर्दोष को सजा भी नहीं होना चाहिये। ऐसे में आप स्वयं को अपने विवेक व समर्पण से न्याय व्यवस्था में तीव्रता लाने की कोशिश करें।

- मैं आशा करती हूँ हमारे नवनियुक्त न्यायिक अधिकारीगण महर्षि गौतम के न्याय दर्शन के पद्चिह्नों पर चलते हुए नि:सहाय लोगों के न्याय हेतु अग्रसर रहेंगे।
- मैं हर वर्ष लगभग नवनियुक्त न्यायिक अधिकारियों से प्रत्यक्ष रूप से मिलती हूँ। इस वर्ष विपरीत परिस्थिति के कारण नहीं मिल सकी। आशा है कि शीघ्र ही हम Covid-19 की विषम परिस्थितियों पर विजय प्राप्त कर फिर से पूर्व जैसे मिल सकेंगे।
- मैं पुन: संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित प्रथम कोल लोक अदालत की आप सबको शुभकामना देती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!